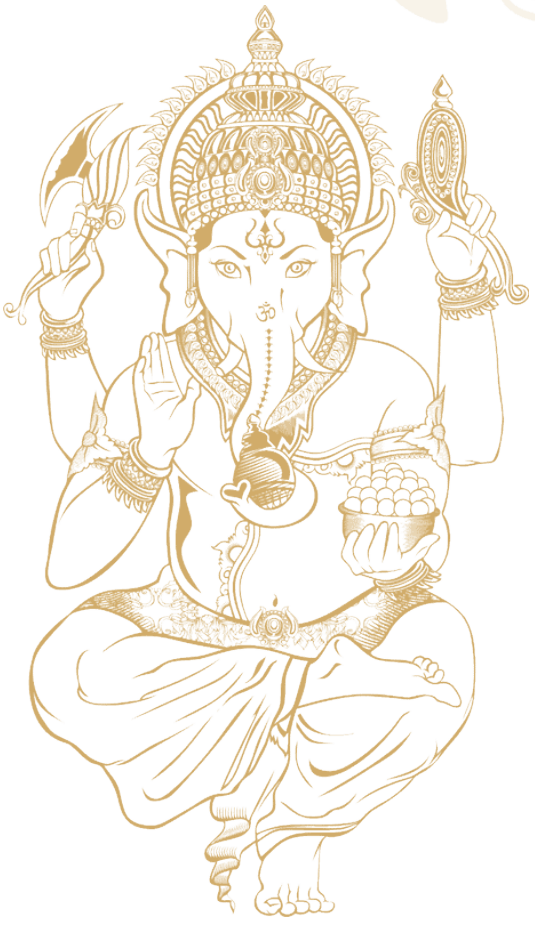

Mr. Shubham Gupta

Ms. Shanti Gupta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119389614

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/12/1997	जन्म तिथि	31/03/1998
शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 10:20:00	जन्म समय	18:31:00 घंटे
घटी 07:48:35	जन्म समय(घटी)	30:44:46 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:12:33	सूर्योदय	06:13:05
17:31:58	सूर्यास्त	18:38:13
23:49:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:50

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 8वर्ष 3मा 21दि		02:12:08	कुंभ	लग्न	कन्या	16:00:08	सूर्य 2वर्ष 5मा 5दि	
केतु		11:38:13	धनु	सूर्य	मीन	16:46:59	राहु	
19/04/2023		10:50:12	वृश्चि	चंद्र	वृष	04:35:46	05/09/2017	
18/04/2030		13:09:57	मक	मंगल	मीन	26:45:54	05/09/2035	
केतु	15/09/2023	23:14:17	वृश्चि व	बुध व	मीन	26:50:39	राहु	18/05/2020
शुक्र	14/11/2024	27:26:12	मक	गुरु	कुंभ	19:15:04	गुरु	11/10/2022
सूर्य	22/03/2025	10:06:30	मक व	शुक्र	कुंभ	00:20:12	शनि	17/08/2025
चन्द्र	21/10/2025	19:48:45	मीन	शनि	मीन	27:52:56	बुध	06/03/2028
मंगल	19/03/2026	19:19:16	सिंह व	राहु व	सिंह	16:21:31	केतु	24/03/2029
राहु	06/04/2027	19:19:16	कुंभ व	केतु व	कुंभ	16:21:31	शुक्र	24/03/2032
गुरु	12/03/2028	13:02:16	मक	हर्ष	मक	18:01:16	सूर्य	16/02/2033
शनि	21/04/2029	04:56:35	मक	नेप	मक	08:01:07	चन्द्र	18/08/2034
बुध	18/04/2030	12:46:07	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:07:02	मंगल	05/09/2035

लग्न-चलित

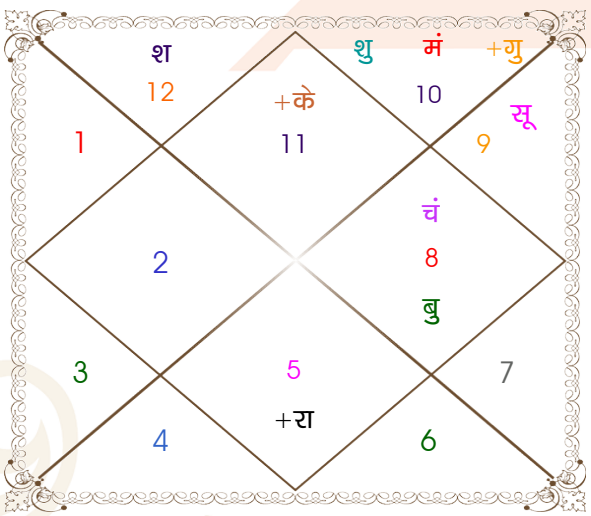

लग्न-चलित

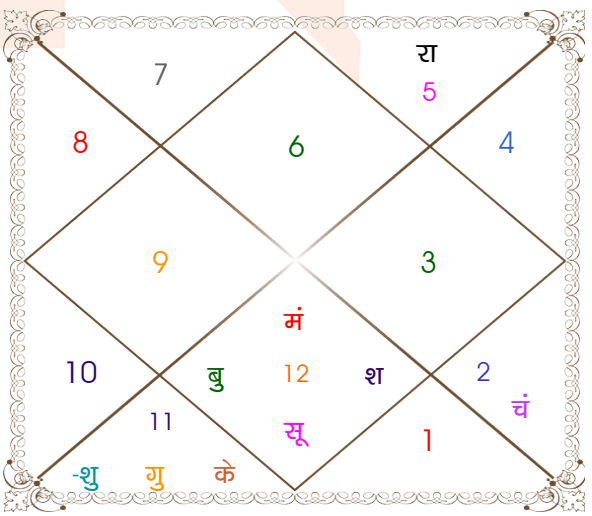

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

डतण्ैनईींउ ळनचजं का वर्ग सर्प है तथा डेण्ैंदजप ळनचजं का वर्ग गरुड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ैनईींउ ळनचजं और डेण्ैंदजप ळनचजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ैनईींउ ळनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ैनईींउ ळनचजं कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डतण्ैनईींउ ळनचजं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्ैंदजप ळनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेण्ौंदजप ळनचजं कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतण्ौनईंउ ळनचजं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ौनईंउ ळनचजं तथा डेण्ौंदजप ळनचजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।